भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1470 का उत्तर

100 वंदे भारत रेलगाड़ियों की निविदा प्रक्रिया को रद्द किया जाना

1470. श्री पुट्टा महेश कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 100 वंदे भारत रेलगाड़ियों की निविदा प्रक्रिया को रद्द किए जाने के कारणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त प्रक्रिया को अपर्याप्त योजना, अवास्तविक अनुभव अथवा हितधारकों के बीच खराब संचार के परिणामस्वरूप रद्द किया गया था;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त प्रक्रिया को रद्द किए जाने से मेक इन इंडिया पहल और घरेलू रेल उद्योग के विकास पर प्रभाव पड़ेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या रेलवे यह सुनिश्चित करता है कि उक्त प्रक्रिया को रद्द किए जाने से नई रेलगाड़ियों की खरीद में और विलंब तथा अड़चन न आए; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं वाली पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित की गई सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत गाड़ियां आरंभ की हैं।

S.K

21 नवंबर, 2024 तक, भारतीय रेल के बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं चल रही हैं। इसके अलावा, वंदे भारत कुर्सी यान रेकों का विनिर्माण प्रगति पर है।

इसके अलावा, लंबी और मध्यम दूरी वाली अन्तर्राज्यीय यात्रा के लिए वंदे भारत शयनयान गाड़ियों की भी योजना बनाई गई है। इस समय, 10 वंदे भारत शयनयान गाड़ियों का निर्माण किया जा रहा है और इसके अलावा भारतीय रेल ने 50 वंदे भारत शयनयान रेकों के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, 200 वंदे भारत शयनयान रेकों के विनिर्माण की संविदा भी टेक्नोलॉजी पार्टनर्स को आबंटित कर दी गई है।

वंदे भारत सहित सवारी डिब्बों का विनिर्माण भारतीय रेल पर एक सतत् प्रक्रिया है और इसे यातायात की आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

*****

S.K